

प्रेषक,

एम०सी०डप्रेती,
अपर सचिव,
उत्तरार्चल शासन।

सेवा में,

सहायक नियन्त्रक,
विधिक माप विज्ञान विभाग
उत्तरार्चल, देहसदून।

खात्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुदान।

मेरि
देहसदून: दिनांक: ०५ अप्रैल, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान संख्या-२५ के लेखाशीर्षक संख्या-३४७५-के अन्तर्गत बचनबद्ध मद
के लिए बजट आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तरार्चल शासन के शासनादेश संख्या-५२७A/
XXVII(1)/2005, दिनांक २८ अप्रैल, 2005 तथा शासनादेश संख्या-५८२/XIX/बजट/०५-६२/
खात्य/2005, दिनांक: ०७ अप्रैल, 2005 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश
दिनांक-०७ अप्रैल, 2005 के द्वारा वर्ष 2005-06 में लेखानुदान के अन्तर्गत दिनांक-०१ अप्रैल से ३० अप्रैल
2005 के लिए स्वीकृत धनराशि को सनायोजित करते हुए आसू वित्तीय वर्ष 2005-06 में अनुदान
संख्या-२५ के लेखाशीर्षक-३४७५-के अन्तर्गत आयोजनेतार पक्ष में प्राविधिक धनराशि के सापेक्ष संलग्नक
में दिये गये बचनबद्ध तथा अन्य आवश्यक नानक मदों के विवरणानुसार निम्नलिखित राती के अधीन रूपये
४४,५५,०००.०० नाम्र (रूपये अद्वासी लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि को आपके निर्वतन पर रखते हुए
च्याँ करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं -

१- वित्तीय वर्ष 2005-06 के लिए अधिकृत धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजना पर ही व्यय
किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के विद्यान्वयन के लिए नहीं किया
जायेगा।

२- स्वीकृत कार्डों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुपल, स्टोर परचेज रूल्स एवं
मित्रव्ययता के संबंध में शासन द्वारा समव्य-समय पर जारी निर्देशों का पालन कडाई से किया जायेगा।

३- यह सुनिश्चित किया जाए कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जायेगा
जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुपल के निदमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व
स्वीकृति की आवश्यकता हो, उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।

४- स्वीकृत की जा रही धनराशि का समय से उपयोग करने के लिए यह सुनिश्चित करें कि
धनराशियों को परिधिन्त अधिकारियों को तत्काल अद्युक्त कर दिया जाय तथा व्यय का विवरण तथा समय
प्रत्येक माह बी०एम-१३ पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5— समस्त चालू निर्माण कार्य, मशीनें, उपकरण एवं संबद्ध तथा वाहन आदि के कद तथा अवधन गदी पर घनराशि के ब्यय हेतु शासन की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जायेगी।

6— यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अंतिरिक्त इस संबंध में जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

7— इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आद-व्यवक की अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक-3475-अन्य सामान्य आर्थिक सेवाये-106-भार और नाम का विनियमन-00-आयोजनेतर-03-अधिष्ठान व्यय की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

संलग्नक: उपर्युक्तानुसार।

भवदीय
(एन०सी०उप्रेती)
अपर संचिव।

संख्या- 727 (1)/XIX/वजट/05-62/खाद्य/2005, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1— महालेखाकार, उत्तरांचल, औबराय विलिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2— आयुक्त, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3— आयुक्त कुनायै/गढवाल मण्डल।
- 4— वित्त नियन्त्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5— समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- 6— वरिष्ठ सम्भागीय वित्त अधिकारी, खाद्य, गढवाल/कुमायै तमाग, देहरादून/हल्हानी।
- 7— सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक, गढवाल/कुमायै संभाग, देहरादून/हल्हानी।
- 8— निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाये, उत्तरांचल देहरादून।
- 9— समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तरांचल।
- 10— समस्त जिलापूर्ति अधिकारी, उत्तरांचल।
- 11— वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 12— समन्वयक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

१०८
(एन०सी०उप्रेती)
अपर संचिव।

मुद्रा
शासनादेश संख्या: 727 /XIX/05-62/बजट/2005, दिनांक: ०५ अप्रैल,
2005 का संलग्नक।

अनुदान संख्या-25	(धनराशि हजार रु० मे०) आयोजनेत्तर
लेखार्थीर्थक 3475—अन्य सामान्य आर्थिक सेवाएँ	
106—मार और माप का विनियमन	
03—अधिकार व्यय	
01—देतान	4000
03—महंगाई भत्ता	1200
04—यात्रा व्यय	60
05—स्थानान्तरण यात्रा व्यय	50
06—अन्य भत्ते	440
08—कार्यालय व्यय	50
09—विद्युत देय	50
10—जलकर/जल प्रभार	5
11—लेखन सामादी और फार्मों की छपाई	50
13—टेलीफोन पर व्यय	25
15—गाड़ियों का अनुचलन और पेट्रोल आदि की खरीद	100
17—किराया, उपशुल्क और कर—स्वामित्व	350
27—चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	400
42—अन्य व्यय	25
47—कम्प्यूटर अनुशङ्ख/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्षय	50
48—महंगाई देतान	2000
शोग (रुपये अद्घासी लाख पचपन हजार मात्र)	8855

०७
(संग्रहीतप्रती)
अपर समिद।